आईआईटी में चार फीसदी सीटों पर सामान्य वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स को मिलेगा मौका

सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था बहाल किए जानें के बावजूद इस साल आईआईटी संस्थानों में इस कोटे से सिर्फ 500 सीटों की ही व्यवस्था हो पाएगी

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

इस साल आईआईटी में औसतन चार फीसदी सीटों पर सामान्य वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स को मौका मिलेगा। सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था बहाल किए जाने के बाद इस साल आईआईटी संस्थानों में इस कोटे से सिर्फ 500 सीटों की व्यवस्था हो पाएगी। जानकारों के मुताबिक आईआईटी इंदौर समेत देशभर के 23 आईआईटी में सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था बहाल किए जाने के बावजूद इस साल आईआईटी संस्थानों में इस कोटे से सिर्फ 500 सीटों की ही व्यवस्था हो पाएगी। क्योंकि प्रत्येक आईआईटी परिसर में मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब से सीटों को बढ़ाया जाएगा। चूंकि अतिरिक्त स्टूडेंट्स के भार को इतनी जल्दी संस्थान वहन नहीं कर सकता,, इसलिए इस बार देश के 23 आईआईटी में करीब 500 सीटें ही सामान्य वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स को मिल पाएगी। अगले दो सालों में सामान्य वर्ग के गरीबों को पूरी सीट

इंदौर समेत देशभर के 23 संस्थानों में मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब से सीटों को बढ़ाया जाएगा

मिलनी शुरु हो जाएगी। इस साल देश के 23 आईआईटी में औसतन चार फीसदी सीटों पर सामान्य वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स को मौका मिलेगा। आईआईटी में प्रवेश के लिए इस बार 27 मई को जेईई एडवांस की परीक्षा होगी, जिसे आईआईटी रुड़की संचालित कर रहा है।

12500 से ज्यादा हो सकती है सीटों की संख्या

जानकारी के मुताबिक 2019 में सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था बहाल हो जाने के बाद सभी इस वर्ग से आईआईटी में करीब 500 सीटें आरक्षित होंगी। यह करीब-करीब चार प्रतिशत के बराबर है। 2019 के प्रोस्पेक्ट्स में कहा गया है कि इस साल जेईई मेन के टॉप 2.45 लाख स्टूडेंट्स को जेईई एडवांस में प्रवेश लेने का मौका मिलेगा। इसमें 9310 स्टूडेंट्स सामान्य वर्ग के गरीब स्टूडेंट्स होंगे जबकि सामान्य वर्ग के गरीब (शारीरिक दिव्यांग) के लिए 490सीटें आरक्षित होंगी। इस तरह आईआईटी की कुल सीटों की संख्या 9 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी संभव है। कुल सीटों की संख्या 12500 से ज्यादा हो सकती है।

Raj Express (Indore), 9th April 2019, Page-2